# अध्याय–13

# पानी और हम




पर्यावरण अध्ययन की कक्षा में शिक्षक बच्चों को 'पानी' के बारे में पढ़ा रहे थे। उन्होंने बच्चों से पूछा कि उनके घर में दैनिक जीवन के इस्तेमाल के लिए पानी कहाँ से आता है?

***कहाँ–कहाँ से आता पानी, सुनिए बच्चों की अपनी जुबानी।***

**मयंक**

"हमारे मोहल्ले में दिन में दो बार नल में पानी आता है। पानी के लिए सार्वजनिक नल पर लम्बी लाइन लगती है और कभी–कभी झगड़े भी हो जाते हैं।"

**सीमा**

"हम कुएँ से पानी भरते थे। पास के कुएँ एक साल पहले सूख गए थे। अब काफी दूर चलकर जाना पड़ता है।"

**मैरी**

"हमारे यहाँ तो दिनभर पानी आता है।

**रामू**

"मेरे यहाँ हैण्डपम्प लगा है, लेकिन उसका पानी काफी खारा है, कपड़े साफ नहीं होते हैं फिर भी हम पीते हैं।"

**अकरम**

"मेरे यहाँ दिन में आधे घंटे के लिए पानी आता है। हम लोग दिनभर के इस्तेमाल के लिए टंकी में पानी भरकर रखते है।"

**सलमा**

"हम नहर से पानी भरकर लाते हैं।"

## बताइए–

आपके यहाँ जिस तरह से पानी आता है, उस चित्र पर निशान लगाइए। अगर किसी अलग तरीके से आता है, तो लिखिए।

__________________________________________

__________________________________________

__________________________________________

इनके अलावा पानी के और स्रोत कौन–कौन से हैं?

__________________________________________

__________________________________________

__________________________________________

मयंक और मैरी के यहाँ जिस तरह से पानी आता है, उसमें क्या अन्तर है? लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

क्या कभी मैरी को भी मंयक की तरह लम्बी लाइन में खड़े होकर पानी लेना और उसके लिए झगड़ा करना पड़ सकता है? चर्चा करके लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

हम पानी का उपयोग किन–किन कार्यों को करने के लिए करते हैं?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

पानी की उपयोगिता के सम्बन्ध में कक्षा में बड़ी जोरों से चर्चा चल रही थी। सभी बच्चे अपने–अपने अनुभव बाँट रहे थे–

जया– ''पानी नहीं होगा तो हम जिन्दा नहीं रह सकते है।''

राहुल– ''पानी नहीं होगा तो खेत सूख जाएँगे, फसल नहीं हो पाएगी।''

टीना– ''पर राहुल पानी ज्यादा होना भी तो ठीक नहीं है।''

राहुल– ''वो कैसे?''

टीना– ''एक बार मेरे गाँव में बाढ़ आ गई थी। कई दिन तक बारिश होती रही और नदी का पानी भी गाँव में आ गया था जिसके कारण चारों तरफ पानी ही पानी था। जिन लोगों के कच्चे घर थे वे ढह गए थे और बहुत से लोग पानी में बह गए थे। मेरा घर पक्का था और ऊँचाई पर

था, इसलिए सिर्फ नीचे की मंजिल में पानी भरा था। मेरे मम्मी–पापा जैसे–तैसे मुझे और मेरे भाई को ऊपर की मंजिल पर ले गए थे। दो दिन तक हमें कुछ भी खाने–पीने को नहीं मिला था। धीरे–धीरे जब पानी कम होने लगा तो लोगों ने हमारी मदद की। हम तक खाना पहुँचाया और हमें वहाँ से निकालकर राहत शिविर में रखा।''

जया– ''बाढ़ आती कैसे है?''

शिक्षक– ''छोटी–छोटी नदियों का जल बड़ी नदियों में जाता है। बड़ी नदियों का पानी सामान्यतः बहकर समुद्र में जाता है। लेकिन कभी–कभी नदी में अत्यधिक पानी आ जाता है और वह किनारों को तोड़कर या फाँदकर चारों और फैल जाता है। खेत–खलिहान जलमग्न हो जाते हैं।''

**चित्र–जलमग्न घर, खेत–खलिहान एवं रेल पटरी**

**बताइए–**

क्या आपने कभी अपने आस–पास ऐसा दृश्य देखा है? अपने अनुभव लिखिए।

_____

_____

_____

यदि आपने नहीं देखा है तो पता लगाइए कि आपके इलाके में क्या कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई थी?

_____

_____

18 अगस्त 2008 की काली अँधेरी रात थी। पूरे उत्तर बिहार और नेपाल की तराई में दो–तीन दिनों से बारिश हो रही थी। सभी लोग अपने–अपने घरों में सोए हुए थे। अचानक शोर हुआ। बाढ़ आ गई, बाढ़ आ गई। सभी लोग चीखने–चिल्लाने लगे। कुछ लोग भागकर ऊँची जगह तलाशने लगे तो कुछ ने घर की छतों और छप्परों पर अपना ठिकाना बना लिया। वृक्ष पर चढ़कर भी लोगों ने अपनी जान बचाने की कोशिश की। बाढ़ का पानी बढ़ता गया और गाँव के गाँव जलमग्न हो गए।

सुरक्षित स्थान की तलाश में

उत्तर बिहार के पूरे इलाके में जान–माल और सम्पत्ति का काफी नुकसान हुआ। 500 से अधिक लोग काल के गाल में समा गए। 2,36,632 हेक्टेयर में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। 3,00,000 से ज्यादा घर गिर गए। लाखों लोगों को स्कूल, बड़े मकान एवं तटबंध पर शरण लेना पड़ा।

राहत सामग्री का इंतजार

शिविर में भोजन वितरण

## मदद की तलाश

बाढ़ में घिरे लोग काफी संकट में थे। लोग सहायता की पुकार करने लगे। पानी कम होने पर टेंट, कपड़े, दवाइयाँ और खाने की सामग्री सहायता के रूप में आने लगी। देश के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों ने मदद की। छीना–झपटी भी खूब हुई।

**बताइए–**

(i) पता करके लिखिए कि 2008 में उत्तर बिहार के किन–किन जिलों में बाढ़ आई?

_____

(ii) वहाँ के लोगों को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा? (ऊपर दिए गए चित्रों की भी मदद ले सकते हैं।)

_____

_____

(iii) परेशानियों से निकलने के लिए क्या–क्या किया गया?

_____

_____

(iv) परेशानियों से निकलने के लिए किस प्रकार की मदद की गई?

_____

_____

**बताइए–**

बाढ़ आने से इन सब चीजों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

मकान ——————————————————————————

पेयजल ——————————————————————————

संचार के साधन ——————————————————————————

यातायात ——————————————————————————

बिजली ——————————————————————————

मवेशी ——————————————————————————

मछुआरा ——————————————————————————

फसलें ——————————————————————————

स्वास्थ्य ——————————————————————————

आपके अनुसार बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए क्या–क्या करना चाहिए?

——————————————————————————

——————————————————————————

——————————————————————————

——————————————————————————

क्या बाढ़ के कुछ लाभकारी प्रभाव भी हो सकते हैं? अपने साथियों से चर्चा कर लिखिए।

——————————————————————————

——————————————————————————

——————————————————————————

## सोचिए–

पृथ्वी पर अथाह जल राशि के बावजूद इसकी बहुत कम मात्रा ही हमारे उपयोग के लायक है।

## परियोजना कार्य

आप अखबार में से बाढ़ से सम्बन्धित चित्रसहित खबरों को एकत्रित करके अपने शिक्षक की मदद से एक चार्ट पेपर पर चिपकाइए तथा प्रदर्शनी बनाकर कक्षा में लगाइए।

## करके देखिए

नीचे दिए गए चित्र को 1 से लेकर 31 तक बिन्दुओं को आपस में मिलाइए और देखिए कि बाढ़ में बचाव का यह कौन सा साधन है? ——————————————

इसे सजाइए और रंग भरिए।